

The Impact

“Education is a shared commitment between dedicated teachers, motivated students and enthusiastic parents with high expectations”



It takes months, years and sometimes even decades to bring CHANGE. It is a combination of efforts, hard work, and perseverance blended together. Every one of us at SKCS feels honoured to be a part of this temple of learning. We as educators are striven towards developing competence, conscience, compassion and commitment in our children through excellence. Over the years, there has been a paradigm shift in the whole process of education.

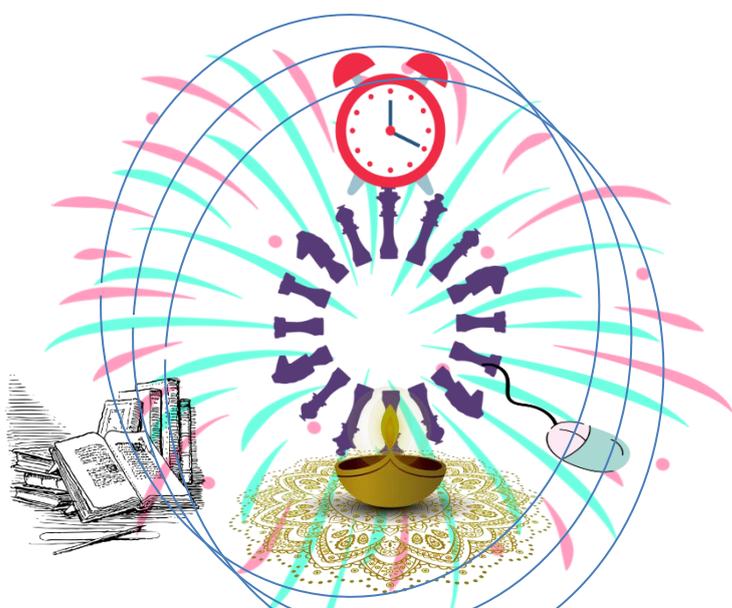
Today, the role of a school is not only to pursue academic excellence but also to motivate and empower its students to be lifelong learners, critical thinkers, and productive members of an ever-changing global society. The meaning of teaching has changed from mere transmitting of information to transforming young people. We believe that in this changed scenario, we have to put together our heart and soul in the process and try to think out of the box so that we can inculcate moral and emotional development in our students through committed, interactive and disciplined teaching and learning.

Children need a supportive environment at home and school. As educators, we are responsible for helping our students understand their priorities, set goals and make plans to achieve them with confidence and determination. This would help them move forward purposefully in life, turning their dreams into reality.

Message from the Principal; **Dr. Dr. Manisha Lall**

The Facilitator; 2

- Students Write up- 3&4
- Gandhi Jayanti - 5
- Chess Competition -6
- Durga Puja Special Assembly -7
- Computer Quiz Competition -8
- JAM Competition -9
- Rangoli Making Competition -10
- Diwali with Elderly -11
- Diya Decoration Competition -12
- Story-telling Competition -13
- Children's Day Celebration -14
- Peace Poster Making Competition -15
- Show and Tell Competition -16
- The Hindu Yong World Painting Competition -17



ऊर्जा का स्रोत : शिक्षा

शिक्षा निस्संदेह जीवन को सफल बनाने के लिए एक रंगमंच प्रदान करती है या यं कहें कि यह विकास की रीढ़ की हड्डी है। शिक्षा किसी व्यक्ति को विचारशील और मानवीय बनाता है। शिक्षा वही है जो व्यक्ति को सभी प्रकार के अंधकारों और बंधनों से मुक्त करती है एवं श्रेष्ठ गुरु की तरह मनुष्य के जीवन को आलोकित कर उसे मार्गदर्शन प्रदान करती है।

“अहिंसा सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, असंग्रह,
शरीरश्रम, आस्वाद, सर्वत्र भयवर्जनम् ।
सर्वधर्म-समानत्व, स्वदेशी भावना,
हीं एकादशा सेवावीं नमत्वे व्रतनिश्चये ॥”

इस श्लोक में निम्न बातों की शिक्षा दी गई है -

- _ अहिंसा अर्थात् किसी को दुख ना देना ।
- _ सत्य अथवा सच्चाई ।
- _ अस्तेय अर्थात् चोरी ना करना ।
- _ ब्रह्मचर्य अर्थात् मन वचन कर्म की पवित्रता ।
- _ असंग्रह अर्थात् लोभवश धन इकट्ठा न करना ।
- _ शरीर श्रम अर्थात् परिश्रम से जी न चुराना ।
- _ सभी प्रकार के भयों को समाप्त करना ।
- _ स्वदेशी चीजों से प्रेम करना ।
- _ एवं सभी के साथ समानता का भाव रखना ।

उपरोक्त दी गई शिक्षा के लिए जीवन में ऊर्जा की आवश्यकता होती है और ऊर्जा को प्रवाहित होने के लिए उचित दिशा का ज्ञान होना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि दिशा ज्ञान के बिना जीवन स्थिर हो जाता है। हमारे संत कैरेंस कॉलेजिएट स्कूल का उद्देश्य छात्रों को यह सिखाना है कि जीवन में ऊर्जा प्राप्त करने हेतु एक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्धता अत्यंत आवश्यक है और यह भावना मेहनत, समर्पण, प्रेरणा, लगन आदि के साथ ही आती है।



हिन्दी विभाग

जीवन में सफल होना - एक कला

स्व की पहचान मत पूछो,
पर्वत की उंचाई, ----
सागर की गहराई----
नाप सको ---- तो नाप लो ।,

कहते हैं-- कड़ी मेहनत को सफलता की एक कुंजी के रूप में देखें—जाहिर है इसकी जगह कोई नहीं ले सकता। सफलता एक ऐसी चीज है जिसे तुरंत प्राप्त नहीं किया जा सकता है, इसके लिए मेहनत, समर्पण, प्रेरणा, लगन आदि के साथ दृढ़ निश्चय की भी आवश्यकता होती है।

सफल जीवन हर व्यक्ति का सपना होता है लेकिन यह आसानी से नहीं प्राप्त होता है। इसे हासिल करने के लिए कुछ खास नियमों का पालन जरूरी होता है—क्योंकि हर व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार मेहनत करते हैं फिर भी विफल हो जाते हैं। कारण कोई भी कार्य को करने के लिए नियमबद्धता का होना जरूरी है। जैसे आज की सोच को दूसरे दिन पर न टालना ।

मतलब किसी भी कार्य को बाद के लिए न छोड़ें—जानने की, सीखने की प्रवृत्ति के साथ-साथ परिश्रम करें। क्योंकि परिश्रम ही एक दिन फल बनकर सामने आते हैं। जीवन में लक्ष्य प्राप्ति का एक जुनून होना चाहिए उसके लिए विश्वास, कड़ी मेहनत, जवाबदेही, समय का सदुपयोग, ध्यान लगाना एवं नाकारात्मक सोच से दूरी का होना जरूरी है।

बड़ी अजीब बात है कि—सफलता का दायरा तब बढ़ जाता है, जब हमारे अपने साथ दूसरों की तरक्की भी जुड़ जाती है। अपनी खुशियों दूसरों के साथ बांटना सीख जाते हैं। “अपने उद्देश्य में ईमानदारी से लगे रहना ही सफलता का सबसे बड़ा रहस्य है।”

प्रतिभा नलिनी





एक पल दिव्यांगों के नाम

अक्सर ये सुनने में आता है कि अगर आपका बच्चा, और बच्चों की तरह नहीं है तो उनके लिए अलग विद्यालय हैं जहां उनके लिए उपयुक्त संसाधनों की व्यवस्था है। ये बात कहना तो बहुत सरल है पर ऐसे बच्चों के मां बाप पर या खुद उन बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ता है इसका शायद अनुमान भी लगाना बहुत कठिन है।

ऐसे बच्चे को भी अन्य बच्चों की तरह ही शिक्षा व्यवस्था और महत्ता दी जाए। जिससे सभी बच्चों की तरह उनका भी मानसिक और सामाजिक विकास हो। अगर उन्हें अलग किया जाता है तो हमेशा के लिए उनके मन में ये बात रह जाती है कि उनमें कुछ कमी है। इससे समाज में सब एक समान है ये संदेश फैलेगा साथ ही ये बच्चे भी अपने आप को इसी समाज का एक अंग समझेंगे। देखा जाए तो हमारे समाज में ही कुछ लोग प्राकृतिक तौर पर हमसे अलग हैं जिन्हें मनुष्य हो कर भी मनुष्य का दर्जा नहीं मिलता। कई परिस्थितियों में तो ये भी देखा गया है कि दिव्यांगों के आस पास होने से लोगों में भय का माहौल बना रहता है जो कदाचित् दयनीय है क्योंकि हमें उनसे डरने की बजाए खुल कर बात करनी चाहिए जिस से वो भी अपने आप को समाज से भिन्न ना समझे और साथ ही साथ मिलने जुलने से उनमें भी मानसिक और भावनात्मक रूप से विकास होगा। अतः यह हमारा सामाजिक दायित्व है कि हम शारीरिक त्रुटियों को नजरंदाज कर आपसी समरसता का भावना बनाए रखें। धन्यवाद

अनुराधा गुप्ता (हिंदी विभाग)

विद्यालय की नई इमारत

"आचार्य , पुस्तक , निवास , सहाय , वासो ।
बहमा इमे पठन पञ्चगुणा नाराणाम्।

(अर्थात - आचार्य, पुस्तक, निवास, मित्र और वस्त्र यह पाँच बाह्य गुण हैं जो पढ़ने के लिए आवश्यक हैं।) विद्यालय वह स्थान है जहाँ शिक्षा ग्रहण की जाती है। हमारे संस्कृति में विद्या को 'देवी' तथा विद्यालय को 'मंदिर' का स्थान दिया गया है। मैं मृगांग कुमार सिंह कक्षा आठ 'बी' का छात्र हूँ। मेरे विद्यालय का नाम 'संत कैरेंस कॉलेजिएट स्कूल' है। आज इस लेख के माध्यम से अपने विद्यालय के नवनिर्मित भवन पर चर्चा कर मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। शहर के शोर-शराबे से दूर, शांत, मनोरम एवं चारों तरफ हरियाली से परिपूर्ण मेरा यह विद्यालय दानापुर तथा बिहटा के मध्य 'जैतीपुर' नामक स्थान पर स्थित है जो आवागमन के लिहाज से भी काफी सुविधाजनक है।

विद्यालय में चार-चार इमारतें हैं जो आधुनिक और सर्व सुविधाओं से युक्त हैं। भवन की भव्यता इतनी मनमोहक कि विद्यालय में प्रवेश करने वाले हर एक व्यक्ति के हृदय में विद्यालय की सुंदर ध्वनि उभरकर आती है। विद्यालय परिसर में दो-दो विशाल खेल के मैदान, चार-चार लैब, कंप्यूटर लैब में 100 कंप्यूटर, पुस्तकालय, म्यूजिक रूम तथा कई बड़े तथा हवादार कमरे आकर्षण का केंद्र हैं। नवनिर्माण के बाद यह विद्यालय शहर के प्रसिद्ध विद्यालयों में एक बन गया है। यहाँ के कुशल तथा प्रशिक्षित शिक्षक हमें शैक्षणिक शिक्षा के साथ-साथ नैतिक शिक्षा भी अपने उचित देखरेख में प्रदान करते हैं।

मेरे लिए तो यह खास बात है कि मैं शहर के सबसे प्रतिष्ठित स्कूल का छात्र हूँ। अपना विद्यालय मुझे कितना पसंद है, इसे शब्दों में व्यक्त कर पाना कठिन है। विद्यालय मेरा पूजा घर है, मैं इसकी वंदना करता हूँ और नित्य प्रति इसे शीश झुकाकर नमन करता हूँ।

नाम - मृगांग कुमार सिंह , कक्षा - 8 'बी'



गुरोः महिमा

यः ज्ञानं यच्छति शास्त्राणि शिक्षयति च सः शिक्षकः भवति । ऋषिः आचार्यः गुरुः अध्यापकः इति अपि तस्य नामानि । प्राचीनकालात् एव शिक्षकाय अति महत्तवं प्रदत्तं । शिक्षकस्य स्थानं राजः अपि उच्चतम् । शिक्षकं विना ज्ञानप्राप्तिः असम्भवं भवति । कवयः तम् ईश्वरात् अपि श्रेष्ठः मन्यन्ते ।

अतः वयम् प्रतिदिनं गुरोः महिमानं गायामः -
गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः॥

शाम्भवी सिंह

अष्टम् - 'बी'



विराट

राष्ट्रपति के अंगरक्षक बेड़े में शामिल घोड़ा 'विराट' 73 वें गणतंत्र दिवस पर आयोजित परेड के बाद सेवानिवृत्त हो गया। उसने 13 बार परेड में हिस्सा लिया है। उसे अपनी विशिष्ट योग्यता और सेवा के लिए चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ कमेंडेशन कार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। परेड के दौरान विराट को सबसे भरोसेमंद घोड़ा माना जाता है। पुरस्कार पाने वाला यह पहला घोड़ा है। विराट 2003 में राष्ट्रपति के अंगरक्षक फैमिली में शामिल हुआ था। विराट को उसकी निस्वार्थ और उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया गया है ।



धन्यवाद!

नाम - लोहित मानव
वर्ग- चतुर्थ 'जी'



एक हकीकत

इसलिए हिन्दी नायाब है-
छू लो तो चरण,
अड़ा दो तो टांग,
धँस जाए तो पैर,
फिसल जाए तो पाँव,
आगे बढ़ाना हो तो कदम,
राह में चिहन छोड़े तोपद,
प्रभु के हों तो पाद,
बाप की हो तो लात,
गधे की पड़े तो दुलती,
घुंघरू बाँध दो तो पग,
खाने के लिए टंगड़ी,
खेलने के लिए लंगड़ी,
अंग्रेजी में सिर्फ- LEG

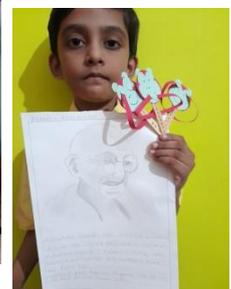
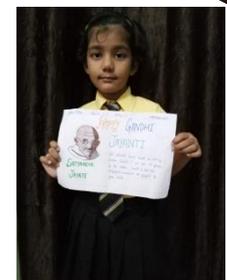
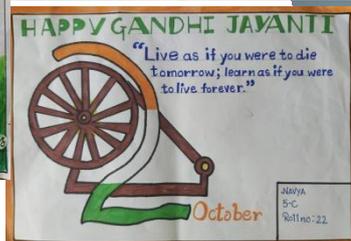
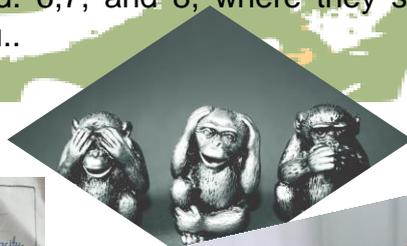
नाम - कुसुम
कक्षा - 'छह' सी'

GANDHI JAYANTI CELEBRATION 2021-22



Mahatma Gandhi, lovingly known as Bapu by all Indians, is internationally acknowledged for his doctrine of non-violence, honesty, truth, and love for humanity that led India to its glorious freedom. 2nd October is celebrated as Gandhi Jayanti to commemorate the birth anniversary of the Father of the Nation, Mahatma Gandhi, whose life story has impacted humanity to its core.

To imbibe the true meaning of the day and to inculcate Gandhian values in our students, various activities were conducted in which the children participated enthusiastically. The tiny tots of Classes 1, 2 and 3 had a craft activity where they made the three monkeys depicting Gandhiji's values of 'See No Evil, Hear No Evil and Speak No Evil' followed by a slogan writing session that highlighted the ethics that Bapu had strived to inculcate in every Indian for the betterment of the country. A Poster Making and slogan writing competition was organised for the students of Class 5, where they paid their homage to Gandhiji through their thoughtful posters and slogans. JAM competition was organised for the students of Std. 6,7, and 8, where they shared their thoughts on various inspirations drawn from the life of Bapu..



CHESS COMPETITION

Chess is a strategic board game played between two players on a checkerboard with 8X8 square grid arrangements of 64 squares. The origin of the game of chess is credited to India, where chess was derived from the game of 'chaturanga' before the 7th century. During the 9th century, Arabia and Persia led to the emergence of the game among the European countries. The game of chess comes with a whole lot of benefits, increasing the mental faculties of a person with an improvement in the capability to learn, think, and make decisions in the right manner. Chess builds analytical power by helping a person frame better strategies not only while playing the game but also in the aspects of life. This also makes a person learn the significance of foresight to make plans and take measures accordingly. Playing chess also betters the skills in communication and aptitude with better recognition of patterns. Competitions provide a platform to determine the academic and co-curricular competency of students. Keeping this thing in mind, our school organised an Inter House Chess Competition on 5th October 2021 for the students of Classes 6, 7 and 8 to evaluate the acumen of the participants. It was conducted in separate groups for Girls and Boys.



DURGA PUJA SPECIAL ASSEMBLY

Festivals light up the world with godness and happiness. The revelry dispels darkness, enlightens our soul and illuminates our lives by filling it with hope and blessings. Durga Pooja is widely celebrated all over the country to promulgate virtuous living and the importance of women in our society. The festival represents female power as 'Shakti' in the Universe. It is a time for the reunion of family and friends and a celebration of cultural values and customs.

A special colourful assembly was conducted by the students of Std 1 to 8 on 8th September 2021 to welcome the festive season. To invoke the blessings of the Divine Mother, the students offered prayers. A beautiful rendition of 'Aigiri Nandani' was performed to praise Goddess Durga for her merciful nature. The children of Std 1 to 3 had a Fancy Dress Competition and a dandiya performance. The students presented a thought-provoking skit spreading the message of the victory of good over evil. The skit invoked the positive qualities within us to help dispel laziness, ignorance and aversions. The significance of the nine days of Navratri was conveyed through a dance performance portraying the nine forms of Goddess Durga. The special assembly culminated with the message that we should always follow the path of Dharma, righteousness and truth.





COMPUTER QUIZ COMPETITION (STD 3 TO 5)



Computers are an essential element in modern lives as everything around us depends highly on them. From prominent business owners and entrepreneurs to working professionals, students, and adults, everyone uses computers for various purposes. Due to computers' expanded service, students are taught Computer in school life as a compulsory subject.

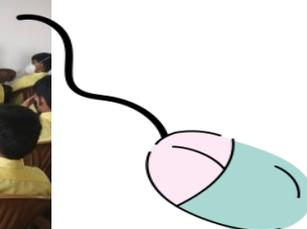
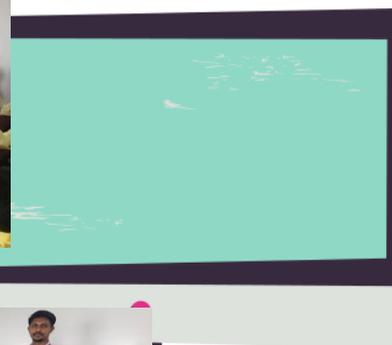
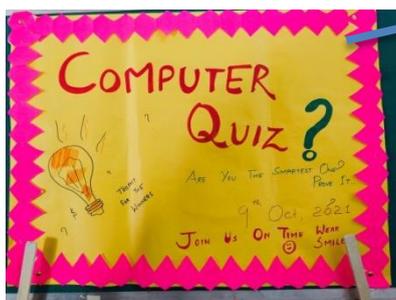
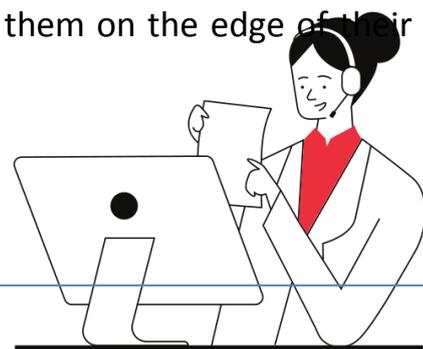
A Computer Quiz was conducted on 8th October 2021 for the students of Std 3, 4 and 5 in our School hall. As this was the first offline competition after the pandemic, the students were very excited. The quiz had questions based on the evolution of computers, Windows and its versions, working with PowerPoint and Tables, Mail merge and IT personalities. The questions put before the participants were intriguing and kept them on the edge of their seats. It was a learning experience for all the students.

The winners were:

Std 3- Rudra (STD 3A)

Std 4- Abhigyan (STD 4E)

STD 5 – Ram Shah (STD 5B)



JAM Competition



JAM competitions provide a great platform to develop communication and time management skills. It pushes one to conceive and generate ideas without any preparation and makes the students address and analyse the topics on the spot.

Our school organised a JAM competition on 20th Oct. 2021 to inculcate the values taught by the legendary leader, Mahatma Gandhi. The themes for each class highlighted the different inspiring phases of Bapu's life and the teachings learnt from his life.

The students of Std. 6 spoke on the inspiring incidents from the life of Mahatma Gandhi and the students of Std. 7 were given different virtues taught by Mahatma Gandhi like cleanliness, self-reliance and non-violence. Std. 8 students elaborated on the different inspiring quotes of Mahatma Gandhi and expressed their views on it.

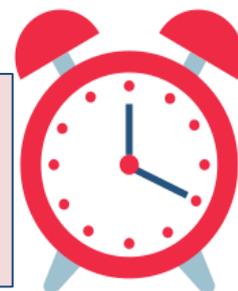
The day was charged up with Inquisitive expressions, and the vigour of the students was contagious. The enlivening event was concluded by a motivational speech by our Principal, Dr Manisha Lall, and the presentation of awards to the winners.

JAM winner's
Std 6

1st Prize - Aasiya Zainab 6F
2nd Prize - Ekchcha 6 A
3rd Prize - Aishnika 6

Std 7

1st Prize - Alishba Nashid 7 B
2nd Prize - Arpita 7 A
3rd Prize - Liaba Zafar
Std 8 1st Prize - Priyanshu 8 C



Enter the Monkeys

Of course, you've heard of the three monkeys that are always mentioned along with Gandhi's name. But have you also heard of how they came to be with him in the first place? Find out from this recollection by someone who worked with both Tagore and Gandhi.

Most of the people who came to see Gandhi sought his advice on something or the other. But one day a party of visitors from China. "Gandhiji, we have brought you a small gift," they said. "It is no bigger than a child's toy, but it is famous in our country." To Gandhi's delight, it was a set of the three monkeys that were later to become so well known and to be kept carefully by him for the rest of his life.

By Ekchcha



RANGOLI MAKING COMPETITION (STD 6,7,8)

Rangoli is an integral part of India's traditional culture and embellishes the festivities. Although Diwali is a festival of lights, the Rangoli colours play a significant role in bringing out the festive spirit during these celebrations.

Therefore, to promote this traditional art form amongst our students, an Inter-House Rangoli Making Competition was organised on 26th October 2021 for the students of Classes 6,7 and 8. It was held in the School Hall. The students were divided into two groups- Group A and Group B and represented the four houses in each group. Each team had around 8 to 10 members. They used vibrant Eco-friendly colours to create beautiful motifs and added diyas to enhance the designs which was appreciated by the judges. They were given marks for the size, colour combination, design, neatness and creativity shown in the rangoli. All students participated with great vigour and showed the true spirit of teamwork.



Celebrating Diwali with the Elderly

Old age is a sensitive phase, a time when the elderly need special care, love and affection. The past year deeply affected the lives of our elderly as they were physically as well as emotionally isolated. To make them feel special our students presented a beautiful programme on the occasion of Diwali under the campaign 'Andhero se Roshni tak', a Helpage India initiative. Keeping in view our mission to educate students to be empathic, this programme not only showed that we care but it was also a great learning opportunity for the students.





DIYA DECORATION COMPETITION



In order to bring out the creative talents of students and celebrate the Festival of Lights in its true spirit, therefore, students of class 4 and 5 had the Diya Decoration Competition on 29th and 30th October, 2021 respectively. All the children enthusiastically took part in the competition and came up with some very interesting and creative work. Each and every Diya was very colorful, decorated in a unique and beautiful way. Children put a lot of effort into decorating it and so it was very tough for our judges to select the winners.

STD 5 A:

1st Prize: - Anjali Kumari
 2nd Prize: - Rakshit Raj
 3rd Prize: - Angel Kumari

STD 5 B:

1st Prize: - Swati Singh
 2nd Prize: - Priyanshi Kumari
 3rd Prize: - Om Raj

STD 5 C:

1st Prize: - Anshika Kushwaha
 2nd Prize: - Anvita Verma & Rishita
 3rd Prize: - Shrishti Kumari

STD 5 D:

1st Prize: - Vishesh Ranjan
 2nd Prize: - Suruchi Rai
 3rd Prize: - Sherya

STD 5 E:

1st Prize: - Saurav Ranjan
 2nd Prize: - Saumyaa Nandy
 3rd Prize: - Harjot Singh

STD 5 F:

1st Prize: - Sheezan Nawaz
 2nd Prize: - Pranjal Kumar Singh
 3rd Prize: - Netra Narayan

STD 5 G:

1st Prize: - Madhvi
 2nd Prize: - Prakashtha Shree
 3rd Prize: - Simran Kumari

STD 5 H:

1st Prize: - Khushi Kumari
 2nd Prize: - Diksha Sinha
 3rd Prize: - Gautmi Bhagwat

STD 4 A:

1st Prize - Shreyanshi Anand
 2nd Prize - Aaradhya Gupta
 3rd Prize - Arnav Srivastava

STD 4 B:

1st Prize - Pragati Kumari
 2nd Prize - Ananya Singh
 3rd Prize - Devansh Kumar Saphi

STD 4 C:

1st Prize - Vartika Bharti
 2nd Prize - Anant Kumar
 3rd Prize - Shashank Shekhar

STD 4 D:

1st Prize: - Gyanshu Kumar
 2nd Prize: - Rimpi Kumari
 3rd Prize: - Ansh Kumar

STD 4 E:

1st Prize: - Priyanshi Kumari
 2nd Prize: - Saatya Rai
 3rd Prize: - Anushka Kumari

STD 4 F:

1st Prize: - Ayesha Ashfque
 2nd Prize: - Mugdha
 3rd Prize: - Rajvir Singh

STD 4 G:

1st Prize: - Saloni
 2nd Prize: - Sakshi Kumari
 3rd Prize: - Sarthak Kumar Thapa

STD 4 H:

1st Prize: - Krishang Kunal
 2nd Prize: - Madiha Fatima
 3rd Prize: - Sheeba Shaukat





STORY -TELLING COMPETITION 2021 (STD- 6, 7, 8)

“If you want your children to be smart, tell them stories. If you want them to be brilliant, tell them more stories. - Albert Einstein”

S - Strategy
T - Training and
O - Organizing
R - Resources
Y - Youth

Storytelling is a unique human skill shared amongst people far and wide. It opens up the vivid imaginations that run wild in children, and it also builds confidence and enhances speaking skills. Stories create a community that enables them to see through the eyes of others. The storyteller conveys messages, information and knowledge in an entertaining way. Telling stories opens the eyes of young kids to new things, places, cultures and traditions. It connects the readers to the story's characters which develops their empathy as they try to comprehend their actions.

The objective of the Storytelling competition is to inspire the interest in students to bring out their talents, to build up their self-confidence and thus enhance their self-esteem and also to strengthen their ability in public speaking. Such was our Story telling Competition on Friday, 29th October 2021. This competition was organised by the English Department in the School Hall. The participants of all sections of Std. 6, 7, 8 spoke confidently. The way they shared their stories, clearly indicates that inside each participant is a natural born storyteller waiting to be released. It was indeed a great pleasure to see how the participants expressed their views.

The competition was adjudged by our honourable Shruti Miss and Renu Jain Miss. They appreciated all the participants for their efforts.

Winners

STD-6

- 1st prize- SHRISHTI JHA (6D)
- 2nd prize- PRANAV KUMAR (6F)
- 3rd Prize- ANANYA SHREE (6A)



STD-7

- 1st prize- AARUSHI (7B)
- 2nd prize- AISHNI (7A)
- 3rd Prize- ARSHITA (7C)



STD-8

- 1st prize- KUMARI SURBHI (8D)
- 2nd prize- SHEFALI SHREE ROY (8C)
- 3rd Prize- HARSHVARDHAN (8B)



CHILDREN'S DAY CELEBRATION

“There is no garden as beautiful as childhood”.



Children are the budding stars, the more we embrace them, the more they shine.

This year we were fortunate that we could celebrate Children's day with our students after a long gap due to the pandemic. The teachers organised special programmes that were presented in the special assemblies. Std 1 to 5 teachers put on a small puppet show along with a magic show and songs. Std 6 to 8 teachers also organised a special assembly on Children's day and presented a musical programme with various fun games for the students.





LION'S CLUB PEACE POSTER MAKING COMPETITION

Poster competitions raise awareness of issues and participation programs. Posters provide visual, colourful, simple ways to communicate community issues and events, and are suitable for display in community spaces. Poster competitions can generate publicity and provide information. The Lion's Club, Patna organised a PEACE POSTER CONTEST for the students of age groups 11 to 13 years on 17th November 2021. It was based on the theme We are all connected, where the students expressed how they remain connected through the trying period of the pandemic. It was a great initiative and a wonderful opportunity for our students to express their creativity. The students from Class 5, 6 and 7 took part in the competition.



SHOW AND TELL COMPETITION (STD 4 AND 5)



Show and Tell is a chance for our young pupils to show off their intrinsic qualities. A chance for children to think 'out of the box' a little and invite their teacher and classmates to come into their own little World for a minute or two.

A Show and Tell Competition was conducted by the teachers of the English Department of Std 4 and 5 on 27th November, 2021. The theme for Std 4 was 'My Favourite Gadget' and for Std 5 was 'My Favourite Sports'. The students from each section took part enthusiastically in the event and showed their speaking skills on the themes through their speech and props. The judges for the competition were Alisha Miss and Sandeep Sir, who appreciated the students for their excellent performances. The programme was graced by our respected Principal, Manisha ma'am and Academic Coordinator Thomas Sir who encouraged the students to take part in such competitions.





St. Karen's Collegiate School

The Hindu Young World, in collaboration with Club Mahindra, conducted a painting competition for the students of Std 3 to 8 in the month of November. This competition called for imagination and skill of hand in order to put to life the dream of their favourite holidays. The themes of this competition enabled the students to exhibit their skills and display the vivid imagination of their dream holiday destinations or the memories of holidays spent with loved ones on the canvas.

The artists put their fingerprints on their imagination which gave heart and souls to their creation. The bold strokes of the students and their creative expressions caught the eyes of the judges, and the following students qualified as finalists in the Club Mahindra National Painting Competition, in the sub junior and junior categories.



Sub Junior
Vartika Bharti, Class 4
Soumya Nandy, Class5
Hrishita Raj, Class 5
Junior
Shourya Suman, Class 8- .

